राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती योजना अंतर्गत पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर कृषि विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कृषि सखियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत संपादित कराया गया। अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर ओमकार सिंह ने कृषि सखियों को बताया कि वर्ष भर खेतों में फसले करने से अच्छादन होता है ।जिससे मृदा में जीवाश कार्बन लगातार बढ़ता है ।जो खेती हेतु बहुत उपयोगी है। प्राविधिक सहायक पंकज कुमार सिंह ने प्राकृतिक खेती के सात सूत्र न्यूनतम जुताई, आच्छादन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल चक्र, सह फसली खेती, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग न करना आदि विषय पर जानकारी दी। जबकि एसएमएस सर्वेश कुमार ने कृषि सखियों की भूमिका ,प्रशिक्षण ,प्रदर्शन ,योजना कार्यान्वयन में सहयोग आदि विषयों पर जानकारी दी ।केंद्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम ने कृषि प्रक्षेत्र पर भ्रमण कराया तथा देशी गाय के गोबर व गौ मूत्र से बिजामृत, जीवामृत नीमस्त्र आदि बनाने की वीडियो पर जोर दिया। केंद्र के वरिष्ठ उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर सुभाष चंद्र ने फल, फूल तथा सब्जियों की प्राकृतिक खेती विषय पर जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

अमर भारती

एक उम्मीद

स्करण

: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com सोमवार, 28 अप्रैल 2025 शक सम्वत् 1947, वैश

कृषि सखी प्रशिक्षण का हुआ समापन

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर कृषि विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कृषि सखियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत संपादित कराया गया। अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर ओमकार सिंह ने कृषि सखियों को बताया कि वर्ष भर खेतों में फसले करने से अच्छादन होता है। जिससे मृदा में जीवाश कार्बन लगातार बढ़ता है। प्राविधिक सहायक पंकज कुमार सिंह ने प्राकृतिक खेती के सात सूत्र न्यूनतम जुताई, आच्छादन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल चक्र, सह फसली खेती, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग न करना आदि विषय पर जानकारी दी। जबकि एसएमएस सर्वेश कुमार ने कृषि सखियों की भूमिका ,प्रशिक्षण ,प्रदर्शन ,योजना कार्यान्वयन में सहयोग आदि विषयों पर जानकारी दी।केंद्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम ने कृषि प्रक्षेत्र पर भ्रमण कराया तथा देशी गाय के गोबर व गौ मूत्र से बिजामृत, जीवामृत नीमस्त्र आदि बनाने की वीडियो पर जोर दिया। केंद्र के वरिष्ठ उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर सुभाष चंद्र ने फल, फूल तथा सब्जियों की प्राकृतिक खेती विषय पर जानकारी दी।

फल, फूल और सब्जियों की प्राकृतिक खेती करें

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती योजना अंतर्गत पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

डीटीएनएन। कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर कृषि विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कृषि सखियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत संपादित कराया गया। अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर ओमकार सिंह ने कृषि सखियों को बताया कि वर्ष भर खेतों में फसले करने से अच्छादन होता है जिससे मृदा में जीवाश कार्बन लगातार बढ़ता है जो खेती हेतु बहुत उपयोगी है। प्राविधिक सहायक पंकज कुमार सिंह ने प्राकृतिक खेती के सात सूत्र न्यूनतम जुताई, आच्छादन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल चक्र, सह फसली खेती, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग न करना आदि विषय पर जानकारी दी। जबकि एसएमएस सर्वेश कुमार ने कृषि सखियों की भूमिका ,प्रशिक्षण ,प्रदर्शन ,योजना कार्यान्वयन में सहयोग आदि विषयों पर जानकारी दी केंद्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम ने कृषि प्रक्षेत्र पर भ्रमण कराया तथा देशी गाय के गोबर व गौ मूत्र से बिजामृत, जीवामृत नीमस्त्र आदि बनाने की वीडियो पर जोर दिया। केंद्र के वरिष्ठ उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर सुभाष चंद्र ने फल, फूल तथा सब्जियों की प्राकृतिक खेती विषय पर जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

40.1°
अधिकतम
26.0°
न्यूनतम
www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD
खबर एक्सप्रेस

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती योजना के तहत पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, हजरतपुर में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विभाग द्वारा कराया गया था, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने प्रतिभागी महिलाओं को प्राकृतिक खेती की बारीकियों से परिचित कराया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉ. ओमकार सिंह ने बताया कि खेतों में वर्षभर फसल उगाने से अच्छादन बना रहता है, जिससे मृदा में जैविक कार्बन की मात्रा में वृद्धि होती है। यह भूमि की उर्वरता बनाए रखने और टिकाऊ खेती के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्राविधिक सहायक पंकज कुमार सिंह ने प्रशिक्षण के दौरान प्राकृतिक खेती के सात प्रमुख सूत्रों — न्यूनतम जुताई, खेत में आच्छादन बनाए रखना, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली अपनाना, फसल चक्र का पालन करना, सहफसली खेती करना तथा रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग न करना — पर विस्तार से जानकारी दी।

एसएमएस सर्वेश कुमार ने कृषि सखियों की भूमिका, प्रशिक्षण, प्रदर्शन और योजना के कार्यान्वयन में उनके योगदान की महत्ता को रेखांकित किया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. नौशाद आलम ने प्रशिक्षणार्थियों को कृषि प्रक्षेत्र का भ्रमण कराते हुए देशी गाय के गोबर और गौमूत्र से तैयार किए जाने वाले बिजामृत, जीवामृत और नीमास्त्र जैसे जैविक उत्पादों के निर्माण एवं उपयोग की विधियों को वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित किया। वरिष्ठ उद्यान वैज्ञानिक डॉ. सुभाष चंद्र ने फल, फूल एवं सब्जियों की प्राकृतिक खेती विषय पर प्रशिक्षण दिया और इसके व्यावहारिक लाभों को समझाया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 16 अंक: 303 कानपुर, सोमवार 28 अप्रैल 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

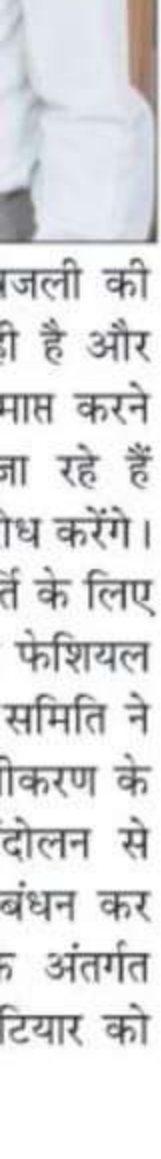

क

प

...जली की ...ी है और ...मास करने ...ना रहे हैं ...ोध करेंगे। ...र्ते के लिए ... फेशियल ... समिति ने ...ीकरण के ...दोलन से ...बंधन कर ...क अंतर्गत ...टियार को

पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण का समापन

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। सीएसए के अधीन संचालित हजरतपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर कृषि विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कृषि सखियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन अंतर्गत संपादित कराया गया। अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर ओमकार सिंह ने कृषि सखियों को बताया कि वर्ष भर खेतों में फसले करने से अच्छादन होता है जिससे मृदा में जीवाश कार्बन लगातार बढ़ता है जो खेती हेतु बहुत उपयोगी है। प्राविधिक सहायक पंकज कुमार सिंह ने प्राकृतिक खेती के सात सूत्र न्यूनतम जुताई, आच्छादन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल चक्र, सह फसली खेती, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग न करना आदि विषय पर जानकारी दी। जबकि एसएमएस सर्वेश कुमार ने कृषि सखियों की भूमिका ,प्रशिक्षण ,प्रदर्शन ,योजना कार्यान्वयन में सहयोग आदि विषयों पर जानकारी दी केंद्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर नौशाद आलम ने कृषि प्रक्षेत्र पर भ्रमण कराया तथा देशी गाय के गोबर व गौ मूत्र से बिजामृत, जीवामृत नीमस्त्र आदि बनाने की वीडियो पर जोर दिया। केंद्र के वरिष्ठ उद्यान वैज्ञानिक डॉक्टर सुभाष चंद्र ने फल, फूल तथा सब्जियों की प्राकृतिक खेती विषय पर जानकारी दी।

क... छत्रपति... कुलपति... ह्यूमैनिट... ऑफ... डिसिप्... विषय... (ICM... किया... विवि... आयोजि... कांफ्रेंस... प्रतिभाग... भारतीय... सस्टेनेबि... किया... अमेरिक... प्रतिनि... साइंसेस... जैसे... विशेषज्ञ... एप्लीके... माध्यम... चर्चा क... कहा कि... दृष्टिको...